18.12.2019

प्रेस प्रकाशनी

आईआईएम के अल्पावधि कोर्सों के माध्यम से सीबीएसई के प्रधानाचार्यों और उप-प्रधानाचार्यों का प्रशिक्षण

सीबीएसई ने अपने संबद्ध विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए कई उपाय किए हैं। बोर्ड विभिन्न विषयों और विद्यालयी शिक्षा से जुड़े अन्य आधारभूत कौशलों में अपने क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से शिक्षकों का प्रशिक्षण कराता है। बोर्ड अपने प्रधानाचार्यों और शिक्षकों के लिए वृत्तिक विकास कार्यक्रम आयोजित करने हेतु भारतीय प्रबंधन संस्थान, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान और ऐसे ही अन्य संस्थानों के साथ भी सहयोग करता रहता है।

विद्यालयों के प्रशासनिक और शैक्षणिक प्रमुख होने के नाते, विद्यालय के प्रधानाचार्यों के लिए नेतृत्व की भूमिका चुनौतीपूर्ण हो जाती है और उन्हें विचारों और पद्धतियों के विनिमय के लिए निरंतर प्रशिक्षण और मंच की आवश्यकता होती है। इसलिए बोर्ड द्वारा प्रधानाचार्यों के लिए नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं जिनमें अनेक भूमिकाओं और दायित्वों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, ये उन मुद्दों की पड़ताल करने का अवसर देते हैं जिनका आजकल अधिकांश प्रधानाचार्य सामना करते हैं, और विद्यालयों की भावी तैयारी के लिए एक सुनियोजित कार्ययोजना विकसित करने में सहायता देते हैं। ऐसे प्रशिक्षण के कुछ अधिगम निष्कर्ष प्रधानाचार्यों को निम्नलिखित के लिए सक्षम बनाते हैं:-

- शैक्षणिक योजनाएं बनाना
- अधिगम निष्कर्ष/ लक्ष्यों पर विद्यार्थियों की प्रगति का आंकलन करने के लिए शिक्षकों का प्रशिक्षण करना तथा योग्यता आधारित शिक्षा का कार्यान्वयन
- 21वीं सदी के कौशल को शामिल करते हुए पाठ योजनाओं और अनुदेशात्मक डिजाइनों का आंकलन और सुधार करने में शिक्षकगण का नेतृत्व करना
- संगठन और संसाधनों की निगरानी के लिए आकड़े एकत्र करना और उसका उपयोग करना
- कर्मचारियों, विद्यार्थियों और अन्य हितधारकों की रुचि और आवश्यकताओं को पूरा करना
- विभिन्न शासी निकायों की नीतियों का कार्यान्वयन और विद्यालयों को प्रभावित करने वाले परिवर्तनों पर प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देना
- मॉडल लोकतांत्रिक मूल्य प्रणाली, टीम बिल्डिंग, और व्यक्तित्व का विकास करना
- शैक्षिक उत्कृष्टता और प्रसन्नता के लिए शिक्षकों को प्रेरित करना
- उचित प्रकार से एक सुरक्षित और परिपूर्ण वातावरण प्रदान करना
- परियोजना प्रबंधन, प्रणाली प्रबंधन और आईसीटी उपयोग को बढ़ावा देकर विद्यालयों में नवाचार प्रबंधन करना।

अत: सीबीएसई ने अब सभी भारतीय प्रबंधन संस्थानों से अनुरोध किया है कि वे उपरोक्त निष्कर्षों के अवलोकन में सीबीएसई से संबद्ध निजी स्वतंत्र विद्यालयों के प्रधानाचार्यों / शिक्षकों के लिए **कुछ अल्पावधि कोर्स** डिजाइन और उपलब्ध कराने की संभावनाए तलाश करें। इस तरह के कार्यक्रमों के लिए एक उचित शुल्क रखने के लिए भी अनुरोध किया गया है जिससे संसाधन युक्त विद्यालयों के साथ-साथ दूरदराज के क्षेत्रों / देश के शैक्षिक रूप से सबसे पिछड़े क्षेत्रों में स्थित विद्यालय भी भागीदारी कर सकें।

(कार्यालय) वरिष्ठ जन संपर्क अधिकारी, सीबीएसई